



आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) गतिविधियों की रिपोर्ट (2023-24)

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL (IQAC) ACTIVITIES REPORT (2023-24)

IQAC समिति IHE शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए सभी विभागों के साथ अपने तत्वावधान में कॉलेज में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं:

The IQAC Committee conducted various activities in college under its aegis with various departments to improve the academic and administrative performance of the IHE as follows:

S.No	Title	Department/Committee	Date
1.	Invited lecture on “ Protein synthesis and regulation”	Biochemistry	22-11-2024
2.	National online Symposium on “Pre-Diabetes”	Biochemistry	09-02-2024
3.	Online talk on “The role of indigenous technologies in the fight against COVID-19 pandemic”	Biochemistry	11-03-2024
4.	Lecture on “Bioinformatics as a tool and career option for students of biology”	Biochemistry	12-04-2024
5.	Online workshop on “ <i>In-silico</i> PCR and Primer designing”	Biochemistry	28-06-2024
6.	Amrit Kaal Vimarsh-Vikshit Bharat@2047 on “Establishing A Sustainable Entrepreneurship Ecosystem in Institutions of Higher Learning”	Microbiology	21.02.2024
7.	Talk on “The Greatest Transformation in Human History”	Microbiology	27.02.2024
8.	Workshop on “Practical Perspective on Molecular Dynamics Simulation,”	Microbiology	15-16.04.2024
9.	Summer Research School	Microbiology	18.06.2024-30.07.2024
10.	Panel discussion on Science Education for Sustainable Future	Elementary Education	28.02.2024
11.	FAB FEST – 2024” Skill Development And Environment Sustainability For Viksit Bharat. A	Fabric and Apparel Science	30.10.2024

	workshop on Word Art: A Fashion communication tool		
12.	Workshop on “Technology Assisted Dietary Data Analysis”	Food & Nutrition and Food Technology	12.03.2024
13.	An interactive talk on “PCOS, PCOD and Menstrual Health”	Development Communication Extension & Journalism	31.01.2024
14.	An interactive talk on “Entertainment Education for a Developed Nation	Development Communication Extension & Journalism	19.02.2024
15.	An interactive talk on “Careers in PR and Communication”	Development Communication Extension & Journalism	01.02. 2024
16.	Keynote address in COMSCAPE 5.0 “SDGs for Viksit Bharat: Role of Communication Research”	Development Communication Extension & Journalism	19.03.2024
17.	Workshop on ‘Introduction to Start-Ups’	Resource Management & Design Applications	21.09. 2023
18.	Workshop on ‘Mastering Basics of Stock Market’	Resource Management & Design Applications and Eminence’-Placement cell	22.02. 2024
19.	Talk on ‘Linkedin Profile Building Program’	Resource Management & Design Applications	06.3.2024
20.	Workshop on ‘Making Recycled Paper Products’	Resource Management & Design Applications	07.03.2024
21.	Talk on ‘The Future of Design’	Resource Management & Design Applications	05.04.2024
22.	Entrepreneurship mela	Resource Management & Design Applications	05.04.2024
23.	Workshop on ‘ Illustrating Landscapes’	Resource Management & Design Applications	05.04.2024
24.	Talk on cancer Awareness on the topic “Battling cancer with Science”	Sciences, Biochemistry and Microbiology	13.02.2024
25.	BEYOND THE DEGREE: Opportunities and Pathways Feeling Puzzled?	Placement committee	15.03.2024

26.	Department talk on “Genesis of sustainable home products using GREEN techniques”	Sciences	18.10.2023
27.	Seminar on “Green Chemistry Education for Sustainable Tomorrow	Sciences	28.02.2024
28.	Workshop on “Genesis of Green Products”	Sciences	28.02.2024
29.	Talk on “Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition & Redressal) Act, 2013	Internal Complaint Committee	02.02.2024
30.	गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए हिन्दी भाषा की प्रशिक्षण	Rajbhasa Committee	16.01.2024

इसके अलावा IQAC समिति ने निम्नानुसार विभिन्न गतिविधियाँ भी आयोजित कीं :

Besides IQAC committee also conducted various activities as follows:

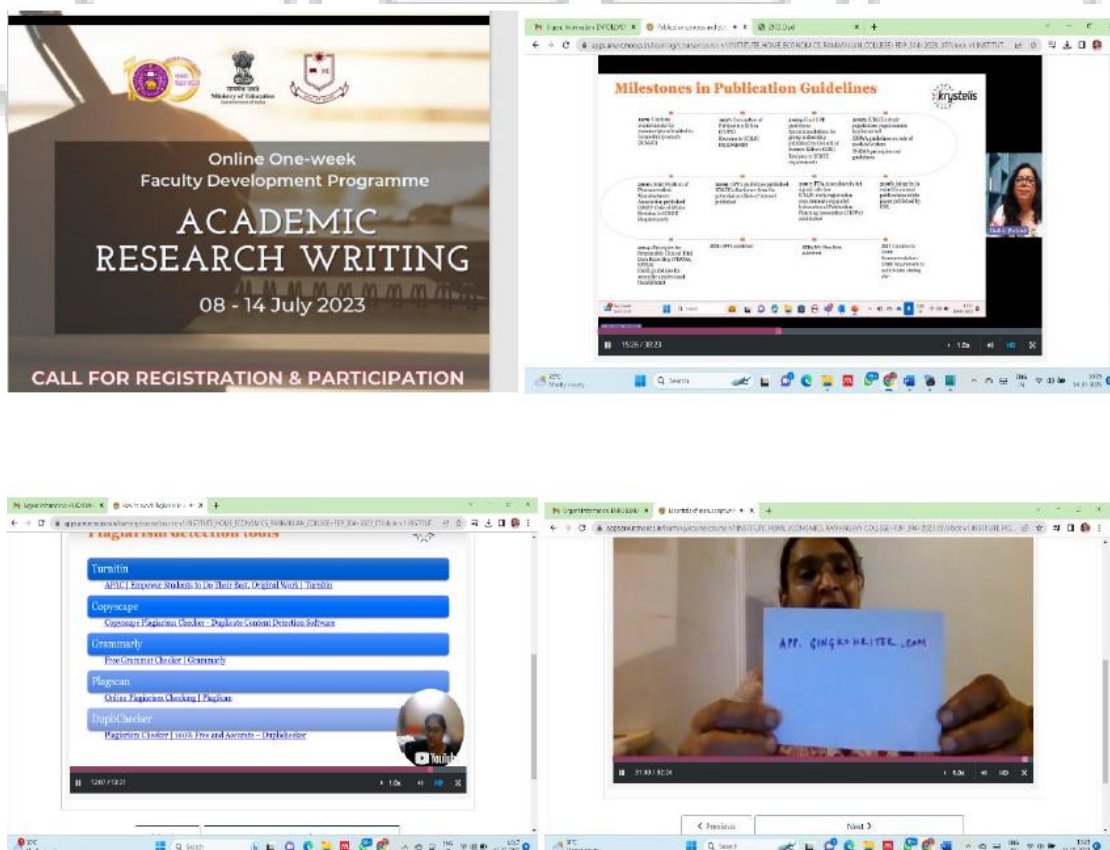
1. “अकादमिक अनुसंधान लेखन” पर वेबसाइट और स्वचालन समिति के साथ संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)। यह ध्यान में रखते हुए कि संकाय विकास शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने का एक अभिन्न अंग है, 8 जुलाई से 14 जुलाई, 2023 तक ‘शैक्षणिक अनुसंधान लेखन’ पर एक एफडीपी की योजना बनाई गई थी। कार्यक्रम का आयोजन टीचिंग लर्निंग सेंटर के सहयोग से आईक्यूएसी, आईएचई द्वारा किया गया था। (टीएलसी) रामानुजन कॉलेज में। केंद्र को शिक्षा मंत्रालय द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत सम्मानित किया गया है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को उनके क्षेत्र में उपलब्ध नवीनतम अनुसंधान, संसाधनों, प्रौद्योगिकी और ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में विभिन्न सीखने के परिणाम शामिल थे, जिसमें अनुसंधान तर्क को तैयार करने और संरचना करने की क्षमता का निर्माण करना, अनुसंधान के लिए विभिन्न अनुभागों को लिखने की बारीकियों को समझना, अनुसंधान नैतिकता के कई पहलुओं की जांच करना और सबमिट करने और प्रकाशित करने की प्रक्रिया को समझना शामिल था। कुल मिलाकर, कार्यक्रम के दौरान 7 दिनों में 13 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें अकादमिक लेखन के तत्वों को शामिल किया गया: गैर-शैक्षणिक लेखन से अंतर करना, साहित्य की समीक्षा करना और शोध प्रश्न तैयार करना, प्रस्ताव लिखना, संदर्भ प्रबंधन उपकरण, शोध लेखन में सर्वोत्तम अभ्यास और नैतिकता। और अकादमिक जर्नल फाइंडर और अनुसंधान प्रकाशन।

कार्यक्रम स्वतः गति वाला था। रामानुजन कॉलेज के लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) पर वीडियो व्याख्यान अपलोड किए गए। पूरे दिन प्रतिभागियों ने अपनी सुविधानुसार सामग्री का उपयोग किया। आवश्यकता के अनुसार, प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के लिए पात्र होने के लिए प्रत्येक दिन फीडबैक फॉर्म भरने के साथ-साथ दैनिक क्विज़ और कुछ असाइनमेंट भी पूरे करने थे। पाठ्यक्रम पूरा होने पर, पात्र प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रो. एस.पी. अग्रवाल और प्रो. (डॉ.) रेनू अरोड़ा कार्यक्रम निदेशक थे, प्रो. सविता अग्रवाल कार्यक्रम समन्वयक थीं और आईएचई की आयोजन टीम में प्रो. सुनीता अग्रवाल डॉ. वंदना सभरवाल शामिल थीं। रामानुजन कॉलेज से डॉ. निखिल कुमार राजपूत, श्री विपिन राठी, डॉ. आशीष कुमार शुक्ला, डॉ. सचिन तोमर और सुश्री शिप्रा यादव आयोजक थे।

1. **Faculty development programme (FDP) with the Website and automation committee on “Academic Research Writing”.** Considering that faculty development is an integral part of

enriching the teaching-learning process, an FDP on ‘Academic Research Writing’ was planned from **July 8 to July 14, 2023**. The programme was organized by IQAC, IHE in collaboration with the Teaching Learning Center (TLC) at Ramanujan College. The centre is awarded by the Ministry of Education under the scheme Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) with an aim to empower the teachers with the latest research, resources, technology and knowledge available in their field. The programme had various learning outcomes including to build the ability to frame & structure a research argument, to understand the nuances of writing different sections for research, to probe into the multiple aspects of research ethics and to understand the process of submitting & publishing. In all, 13 sessions were conducted over 7 days during the programme covering the Elements of Academic Writing: Distinguishing from non-academic writing, Literature Review and formulating the Research Question, Writing a Proposal, Reference Management Tools, Best Practices and Ethics in Research Writing and Academic Journal Finder and Research Publication.

The Programme was self-paced. Video lectures were uploaded on Ramanujan College’s Learning Management System (LMS). Participants accessed the content at their convenience during the entire day. As per the requirement, the participants were required to fill the Feedback Forms each day and also complete daily quizzes and few assignments to be eligible for the certificate. Upon completion of the Course, the eligible participants were awarded certificates. Prof. S.P. Aggarwal and Prof. (Dr.) Renu Arora were the Program Directors, Prof Savita Aggrawal was the Program co-ordinator and the Organising Team from IHE included Prof. Sunita Aggarwal Dr. Vandana Sabharwal. From Ramanujan College Dr. Nikhil Kumar Rajput, Mr. Vipin Rathi, Dr. Ashish Kumar Shukla, Dr. Sachin Tomer and Ms. Shipra Yadav were the organisers.



2. हिंदी भारत की आत्मा है और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त है। IQAC ने 11-14 सितंबर 2023 तक गर्व से 'हिंदी पखवाड़ा 2023' का आयोजन किया और छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ 'हिंदी दिवस' मनाया। भारत के विभिन्न हिंदी भाषी राज्यों में आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में देवनागरी लिपि में हिंदी को अपनाने के उपलक्ष्य में इस वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह कार्यक्रम राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी भाषा की आवश्यकता और उद्देश्य को उजागर करने के लिए निबंध-लेखन प्रतियोगिता, नारा-लेखन प्रतियोगिता, संदेश प्रतियोगिता के साथ सेल्फी और विशेषज्ञ इंटरैक्टिव सत्र जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का संग्रह था। 11 सितंबर 2023 को फ़ोयर में छात्रों के लिए 'जी20 की शिक्षा और इसके प्रभाव' विषय पर नारा-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। छात्रों को आकर्षक नारे लिखने और समिति के सदस्यों को अपनी प्रविष्टियाँ जमा करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। उन्होंने दिए गए विषय पर श्रेष्ठभारत के नारे के माध्यम से अपने रचनात्मक और कल्पनाशील विचारों को साझा किया। 12 सितंबर 2023 को सम्मेलन कक्ष में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'भारतीय संस्कृति और एकता में हिंदी की भूमिका' विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों ने खूबसूरती से अपनी राय व्यक्त की कि कैसे हिंदी लोगों के बीच मुख्य संपर्क भाषा है। निबंधों ने हिन्दी को भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। सेल्फी-प्रतियोगिता की एक और दिलचस्प गतिविधि 'राजभाषा हिंदी: श्रेष्ठ भारत का गौरव' विषय पर शिक्षण-कर्मचारी सदस्यों के लिए आयोजित की गई थी, जहां 11-13 सितंबर 2023 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं। संदेश के साथ सेल्फी-प्रतियोगिता का उद्देश्य उत्पन्न करना था राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता, जो श्रेष्ठभारत के लिए गौरवशाली भाषा है। प्रतिभागियों की सेल्फी पर दिलचस्प संदेश मिले। सभी ने पूरे जोश के साथ दिलचस्प अंदाज में हिस्सा लिया।




14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाने के लिए, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षाविद्, साथी और लेखक, प्रख्यात वक्ता डॉ. सुशील कुमार तिवारी को हिंदी भाषा के क्षेत्र में व्यापक शोध अनुभव, ज्ञान और प्रकाशन वाले सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था। इंटरैक्टिव सत्र का विषय था 'हिंदी: कल, आज और कल।' उन्होंने दर्शकों को हिंदी के बारे में जानकारी देकर अपनी बात शुरू की, जिसे 14 सितंबर, 1949 को भारत में सर्वोच्च दर्जा मिला, जब इसे आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया। देश। तब से, भारत की आधिकारिक भाषा को श्रद्धांजलि देने के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज के अत्यधिक व्यावसायिक माहौल में, जहां लोग अपनी जड़ों को भूल रहे हैं, हिंदी दिवस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि हिंदी की एक समृद्ध मौखिक परंपरा है, जिसमें कई लोक कथाएं, गीत और कहानियां पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। उन्होंने हिंदी के प्रभाव के बारे में भी बात की, जिसे भारत में नई भाषाओं और बोलियों के विकास के साथ-साथ विभिन्न भाषाओं और बोलियों के मिश्रण से नई संकर भाषाएं बनाने में भी देखा जा सकता है। साथ ही, भारतीय मीडिया चाहे वह टेलीविजन, रेडियो या प्रिंट हो, में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने कार्यस्थलों पर हिंदी भाषा के आधिकारिक कार्यान्वयन पर जोर दिया है। सत्र का सारांश देते हुए वक्ता ने बताया कि अपने व्यापक उपयोग और सांस्कृतिक महत्व के बावजूद, हिंदी को अपने पूरे इतिहास में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक भाषा की राजनीति का मुद्दा रहा है, जिसमें विभिन्न समूह हिंदी की कीमत पर अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने की वकालत कर रहे हैं। सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और 'हिंदी' अपनाने और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस किया।


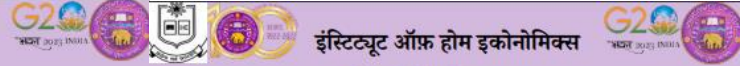
-
2. Hindi is the soul of India and enjoys the status of Rashtra Bhasha. The Internal Quality Assurance Cell of Institute of Home Economics proudly organized ‘**Hindi Pakhwara 2023**’ from **11-14th September 2023 and celebrated ‘Hindi Diwas’** with students, teaching and non-teaching staff. https://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2023/09/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%A6%E0%A5%80-%E0%A4%AA%E0%A4%96%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%A1%E0%A4%BC%E0%A4%BE_compressed-1.pdf

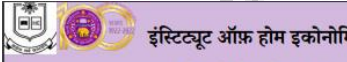

Hindi Diwas is celebrated this year on September 14 to commemorate the adoption of Hindi in Devanagari script as one of the official languages in different Hindi speaking states of India. The programme was the consortium of various events such as Essay-writing competition, slogan-writing competition, selfie with message contest and expert interactive session to highlight the need and purpose of Hindi language as Rastrabhasha. On 11th September 2023, *Slogan-writing competition* was organised for the students in the foyer on the theme ‘जी20 की अध्यक्षता और इसका प्रभाव’. The students were given ample time to write catchy slogans and submit their entries to the committee members. They shared their creative and imaginative ideas through slogan for shresthbharat on the given theme. On 12th September 2023, *Essay-writing competition* was organized for the non-teaching staff on the theme ‘भारतीय संस्कृति और एकता में हिंदी की भूमिका’ in the conference room. Participants beautifully expressed their opinions that how hindi is the main connecting language between the people. Essays expressed their view representing Hindi as the symbol of social and cultural unity of India. Another interesting activity of *Selfie-contest* was organized for the teaching-staff members on the theme ‘राजभाषा हिंदी: श्रेष्ठ भारत का गौरव’ where entries were invited from 11-13th September 2023. The purpose of the selfie-contest with message was to generate awareness for rashtrabhasha Hindi which is a proud language for shresthbharat. Interesting messages were received on the selfies of the participants. Everyone participated in an interesting way with full of vigor.


To commemorate the ‘*Hindi Diwas*’ on 14th september, Eminent speaker Dr Sushil Kumar Tiwari, Academician, fellow and writer from Indira Gandhi National Open University (IGNOU) was invited for the session having immense research exposure, knowledge and publications in the area of Hindi Language. The topic of the interactive session was ‘हिंदी: कल, आज और कल.’ He initiated his talk by apprising the audience about the Hindi which got an exalted status in India on September 14, 1949, when it was adopted as the official language of the country. Since then, September 14 is celebrated as Hindi Diwas to pay tribute to the official language of India. Today, Hindi enjoys the status of Rashtra Bhasha. He highlighted that in today’s highly commercialized environment, where people are forgetting their roots, Hindi Diwas plays a significant role. The celebration of Hindi Diwas stands as a patriotic reminder to Indian population of their common roots and unity. Dr Sushil marked the lines with the beautiful doha given by Bharatendu Harishchander ‘निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल’ referring the importance of our own language for achievements and shresthbharat. He further justified the words by saying that language is not a language but it’s a culture where people communicate with one another, build relationships, and create a sense of community. Dr Tiwari also updated that Hindi is the oldest language in India and due to the population of this huge country, it is spoken by many millions of people. In his interaction, he recited the journey of the Hindi language from ancient history till today and its future. Speaker also appraised the audience that Hindi has a rich literary tradition, with many notable works of poetry, fiction, and non-fiction being written in the language. Some examples of famous Hindi poetry include the works of Kabir. Another famous poet from the same era is Mirabai, a Rajput princess and devotee of Lord Krishna whose

poems are considered some of the finest examples of Bhakti poetry. In more recent times, the works of poets such as Harivansh Rai Bachchan, Sumitranandan Pant, and Mahadevi Varma have been widely acclaimed. He also informed that Hindi has a rich oral tradition, with many folk tales, songs, and stories being passed down from generation to generation. He also spoke about the influence of Hindi that can also be seen in the development of new languages and dialects in India, as well as in the fusion of different languages and dialects to form new hybrids. Also, the role of Hindi in Indian media was highlighted by it television, radio, or print. He also highlighted that National Education Policy (NEP) emphasized the official implementation of Language Hindi for at workplaces. To sum-up the session, speaker reported that despite its widespread use and cultural importance, Hindi has faced several challenges throughout its history. One of the biggest challenges has been the issue of language politics, with various groups advocating for the promotion of their own regional languages at the expense of Hindi. All the participants actively participated, and felt proud in taking up 'Hindi and to be a part of 'Ek Bharat Shresth Bharat'.

 <p>इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनॉमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय</p> <p>आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रस्तुत करता है</p> <p>हिंदी पखवाड़ा</p>	 <p>इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनॉमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय</p> <p>हिंदी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आपको आमंत्रित करता है</p> <p>व्याख्यान/वार्ता: "हिंदी: कल, आज और कल"</p> <p>डॉक्टर सुशील कुमार तिवारी अध्येता, लेखक और शिक्षाविद</p>  <p>14 सितंबर सुबह 10 बजे स्थान: सम्मेलन कक्ष</p>
<p>कार्यक्रम सूची</p> <ul style="list-style-type: none"> • 11 सितंबर दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक: विद्यार्थियों हेतु स्लोगन प्रतियोगिता • 12 सितंबर 11:30 बजे से 12:30 बजे तक: गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता • 11 सितंबर से 13 सितंबर: शिक्षकों के लिए सेल्फी प्रतियोगिता • 14 सितंबर सुबह 10 बजे: व्याख्यान/वार्ता: "हिंदी: कल, आज और कल" 	
<p>संरक्षक प्रोफेसर रेनू अरोड़ा, निदेशक, आईएचई</p> <p>आयोजन समिति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ</p>	<p>संरक्षक प्रोफेसर रेनू अरोड़ा, निदेशक, आईएचई</p> <p>आयोजन समिति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ</p>

 इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनोमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय		 इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनोमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय	
<p>हिंदी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सभी गैर शिक्षण कर्मचारियों को आमंत्रित करता है</p>		<p>हिंदी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सभी छात्रों को आमंत्रित करता है</p>	
<p>निबंध लेखन प्रतियोगिता विषय - 'भारतीय संस्कृति और एकता में हिंदी की भूमिका' दिनांक -12 सितम्बर, 2023 समय -दोपहर 11.30 से 12.30 बजे तक स्थान - सम्मेलन कक्ष, आइ. एच.ई</p>		<p>नारा (स्लोगन) प्रतियोगिता विषय - G20 की अध्यक्षता और इसका प्रभाव दिनांक - 11 सितम्बर, 2023 समय - दोपहर 1.00 से 2.00 बजे तक स्थान - फ़ोयर</p>	
<p>प्रतियोगिता के नियम:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रतियोगिता का विषय है - 'भारतीय संस्कृति और एकता में हिंदी की भूमिका' 2. निबंध-लेखन प्रतियोगिता के लिए दी गई अवधि एक घंटे की होगी। 3. यह प्रतियोगिता कार्यालय समय में सुविधानुसार कम्पाई जाएगी। 4. प्रतिभागियों को अपनी स्टेशनरी सामग्री स्वयं लानी होगी। 5. प्रतियोगिता के परिणाम आदि के विषय में परिशुद्ध द्वारा नियुक्त निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम होगा। 		<p>प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें: डॉ. मीनाक्षी वाच्छर (9899901053) डॉ. भावना (7042932544) मिस. मनप्रीत कौर (9810049463)</p>	
<p>संरक्षक प्रोफेसर रेनु अरोड़ा, निदेशक, आईएचई</p>		<p>आयोजन समिति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ</p>	
<p>संरक्षक प्रोफेसर रेनु अरोड़ा, निदेशक, आईएचई</p>		<p>आयोजन समिति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ</p>	

 इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनोमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय		 इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनोमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय	
<p>हिंदी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सभी शिक्षकों को आमंत्रित करता है</p>			
<p>सेल्फी प्रतियोगिता</p>			
<p>सेल्फी प्रतियोगिता का विषय 'राजभाषा हिंदी: श्रेष्ठ भारत का गौरव' है।</p>			
<p>सेल्फी प्रतियोगिता में भाग लेने के चरण Google फॉर्म में दिए गए हैं।</p>			
<p>कृपया दिए गए लिंक पर क्लिक करके 13 सितंबर 2023 तक अपनी प्रविष्टि (सेल्फी संदेश) जमा करें।</p>			
<p>https://forms.gle/CEmKDC6scKx1KDoL8</p>			
<p>संरक्षक प्रोफेसर रेनु अरोड़ा, निदेशक, आईएचई</p>		<p>आयोजन समिति आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ</p>	



New Delhi, DL, India
 Block F Road, Hauz Khas, New Delhi, 110016, DL, India
 Lat 28.546490, Long 77.206747
 09/11/2023 01:11 PM GMT+05:30











3. 18 जून, 2024 को गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला। <https://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2024/06/Workshop-Poster-1.pdf>। आईएचई के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) ने कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में श्री अशोक सैनी द्वारा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर खरीद पर एक व्यावहारिक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। GeM पोर्टल. कार्यशाला का उद्देश्य प्रयोगशाला और कॉलेज की वस्तुओं की खोज, GeM उपलब्धता रिपोर्ट प्राप्त करना, खरीद रिपोर्ट भरना, ऑर्डर देना, अनुबंध आदेश बनाना और अनुबंध रसीद और स्वीकृति प्रमाणपत्र का प्रबंधन करने पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करके गैर-शिक्षण कर्मचारियों के खरीद कौशल को बढ़ाना है। सीआरएसी) प्रक्रिया और प्रशासन में जीईएम रजिस्टर में प्रविष्टि करना। प्रतिभागियों को GeM पोर्टल को नेविगेट करने, खोज कार्यक्षमताओं का उपयोग करने, उपलब्धता रिपोर्ट बनाने और व्याख्या करने और उचित खरीद रिपोर्ट दाखिल करने के माध्यम से सटीक दस्तावेज़ीकरण सुनिश्चित करने पर व्यावहारिक प्रदर्शन दिए गए। ऑर्डर देने और अनुबंध ऑर्डर बनाने की प्रक्रिया विस्तृत थी, जिसमें नियमों और शर्तों पर जोर दिया गया था और पोर्टल पर इन अनुबंधों को प्रबंधित किया गया था। अनुपालन सुनिश्चित करने और डिलीवरी के बाद उचित दस्तावेज़ीकरण सुनिश्चित करने के लिए सीआरएसी प्रक्रिया को भी पूरी तरह से समझाया गया था। व्यावहारिक सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और GeM पोर्टल की कार्यप्रणाली के संबंध में विभिन्न प्रश्न उठाए, जिनका श्री अशोक सैनी ने तुरंत समाधान किया। प्रतिभागियों को GeM पोर्टल और इसकी कार्यप्रणाली की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, खरीद गतिविधियों का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करना और कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से खोज करने, आवश्यक वस्तुओं/उपकरणों की पहचान करने और अपने संबंधित विभागों के लिए ऑर्डर देने के लिए सक्षम बनाना है।

दूसरा सत्र गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'आईटी कौशल - माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पावरपॉइंट' पर था। संसाधन व्यक्ति के रूप में श्री संदीप यादव के नेतृत्व में कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों के आईटी

कौशल को प्रभावी ढंग से बढ़ाना था। डॉ. संदीप ने कार्यालय कार्यक्रमों में विंडो के शीर्ष पर टूलबार का एक सेट, रिबन के बारे में समझाकर शुरुआत की, जो कर्मचारियों को कार्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक कमांड ढूंढने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने एमएस वर्ड में सभी टूलबार का प्रदर्शन किया, संपूर्ण इंटरफ़ेस को अच्छी तरह से समझाया और प्रतिभागियों को बताए गए आदेशों का पालन करने के लिए अभ्यास दिया। इसके अतिरिक्त, दस्तावेज़ प्रसंस्करण टूल के बारे में कर्मचारियों की समझ को व्यापक बनाने के लिए Google डॉक्स के इंटरफ़ेस को भी कवर किया गया था। फिर कार्यशाला त्वरित और प्रभावी प्रस्तुतियाँ बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए, पावरपॉइंट के उन्मुखीकरण की ओर बढ़ी। यह सत्र प्रतिभागियों को स्लाइड तैयारी की बुनियादी बातों के साथ सहज बनाने, जानकारी को स्पष्ट, आकर्षक तरीके से रखने पर केंद्रित था। इसके अलावा, श्री संदीप ने डेटा के भंडारण, आयोजन और ग्राफिक रूप से प्रतिनिधित्व के लिए एमएस एक्सेल के उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने यह समझाने के लिए व्यावहारिक उदाहरण और प्रदर्शन प्रदान किए कि एक्सेल का उपयोग विभिन्न प्रशासनिक कार्यों और डेटा प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने के लिए कैसे किया जा सकता है। पूरी कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, नई अवधारणाएँ सीखीं और प्रश्न उठाए जिनका तुरंत समाधान किया गया। क्षमता निर्माण कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यधिक फायदेमंद साबित हुई, जिससे उनकी आईटी दक्षता में वृद्धि करके उनकी कार्य जिम्मेदारियों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

3. Hands on Capacity Building Workshop for Non-teaching Staff on 18th June, 2024.

<https://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2024/06/Workshop-Poster-1.pdf>. The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of IHE organized a hands-on capacity building workshop on 'Procurement on Government e-Marketplace (GeM) for Non-Teaching Staff' by Mr Ashok Saini as a resource person to train the staff on effectively using the GeM portal. The workshop aimed to enhance the procurement skills of non-teaching staff by providing comprehensive training on searching for laboratory and college items, fetching GeM availability reports, filling procurement reports, placing orders, creating contract orders, and managing the Contract Receipt and Acceptance Certificate (CRAC) process and making the entry into GeM register in Administration. Participants were given practical demonstrations on navigating the GeM portal, utilizing search functionalities, generating, and interpreting availability reports, and ensuring accurate documentation through proper procurement report filing. The process of placing orders and creating contract orders was detailed, emphasizing the terms and conditions, and managing these contracts on the portal. The CRAC process was also thoroughly explained to ensure compliance and proper post-delivery documentation. During the hands-on session, participants actively engaged and raised various queries regarding the GeM portal functionalities, which were promptly addressed and resolved by Mr Ashok Saini. Participants gained a clear understanding of the GeM portal and its functionalities. This workshop aimed to streamline the procurement process, ensuring smoother execution of purchase activities, and equipping the staff to effectively search, identify required items/equipment's and place orders for their respective departments.

Second session was on 'IT Skills - Microsoft Word, Excel, and PowerPoint' for non-teaching staff. Led by Mr. Sandeep Yadav as the resource person, the workshop aimed to enhance the participants' IT skills effectively. Dr. Sandeep began by explaining the ribbon, a set of toolbars at the top of the window in Office programs, designed to help staff find the necessary commands to complete tasks efficiently. He demonstrated all toolbars in MS Word, thoroughly explaining the complete interface and giving exercises for participants to follow up on the commands explained. Additionally, the interface of Google Docs was also covered to broaden the staff's understanding of document

processing tools. The workshop then moved on to an orientation of PowerPoint, simplifying the process of creating quick and effective presentations. This session focused on making the participants comfortable with basics of slides preparation, putting information in a clear, visually appealing way. Further, Mr. Sandeep explained the use of MS Excel for storing, organizing, and graphically representation of data. He provided practical examples and demonstrations to illustrate how excel can be used for various administrative tasks and making data management more efficient. Throughout the workshop, participants engaged actively, learned new concepts, and raised queries that were promptly addressed. The capacity-building workshop proved highly beneficial for the participants, significantly aiding in the smooth functioning of their work responsibilities by enhancing their IT proficiency.

INSTITUTE OF HOME ECONOMICS
UNIVERSITY OF DELHI

विकसित भारत
अभियान
1947 TO 2047

IQAC in collaboration with Viksit Bharat Ambassador Club
is organising

HANDS-ON CAPACITY BUILDING WORKSHOP
FOR NON-TEACHING STAFF

SESSION 1: "PROCUREMENT ON GOVERNMENT E-MARKETPLACE (GEM)"
11:00 AM - 12:00 NOON
By: Dr. Ashok Saini

SESSION 2: "IT SKILLS - MICROSOFT WORD, EXCEL AND POWERPOINT"
12:00 NOON - 1:00 PM
By: Dr. Sandeep Yadav

18TH JUNE, 2024
CONFERENCE ROOM, IHE <https://forms.gle/tc2e34tD97gh4Gzf9>

PATRON
Prof. Dr. Radhika Bakhshi

CONVENOR
Prof. Dr. Sunita Aggarwal

ORGANISING COMMITTEE
Prof. Shipra Gupta, Prof. Amita Walia, Dr. Suneeta Mishra, Dr. Vandana Sabharwal, Dr. Sonia Chaudhary, Dr. Ritu Atheya, Dr. Reema Chaurasia, Dr. Jagriti Kher, Dr. Vidhu Yadav, Dr. Renu, Dr. Bhawana, Dr. Vandana, Dr. Meenakshi Vachher, Dr. Manish Agrawal, Ms. Manisha Kumari





28.546890; 77.206703 NE 29
1, Block F, Block N, Kauz Khas, New Delhi,
Delhi 110016, India



4. IHE के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) ने 19 जून, 2024 को अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण सोसायटी (WMARS) द्वारा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'कचरे का प्रबंधन' पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। श्रीमती दीपाली सिन्हा, अध्यक्ष WMARS और सुश्री। कार्यशाला का संचालन करने के लिए WMARS की कार्यक्रम प्रबंधक रश्मी धस्माना सम्मानित संसाधन व्यक्ति थीं।

(<https://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2024/06/Workshop-on-waste-management-and-recycling-Poster-1.pdf>) WMARS कचरा बीनने वालों, स्कैप डीलरों, कचरा प्रबंधन कंपनियों, रिसाइक्लर्स और गैर सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर एक कुशल अपशिष्ट प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए संसाधनों को एकत्रित करके रीसाइक्लिंग परिदृश्य को बदलने की कल्पना करता है। WMARS विभिन्न प्रकार के औद्योगिक पोस्ट-उपभोक्ता अपशिष्ट प्रबंधन और इसके उचित पुनर्चक्रण के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को कचरे के प्रकार, अपशिष्ट प्रबंधन, पृथक्करण और पुनर्चक्रण के बारे में जानकारी देना था। पुनर्चक्रण के साथ-साथ अपशिष्ट उत्पादन को कम करने पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे नगरपालिका ठोस, औद्योगिक, बायोमेडिकल और ई-कचरा पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने अपशिष्ट प्रबंधन के सात नियमों के बारे में सीखा, जिनमें रिड्यूस, रिफ्यूज, रियूज, रिसाइकल, रोट, रिगिफ्ट और रिपरपज शामिल हैं। इसके अलावा, उत्पादों के पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन के लिए विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने एरोबिन, वर्मिकम्पोस्टिंग और खाद उत्पादन के बारे में भी सीखा। इसके अलावा, विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक पर चर्चा की गई और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। पूरी कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, नई अवधारणाएँ सीखीं और प्रश्न उठाए जिनका तुरंत समाधान किया गया। यह एक बहुत ही जानकारीपूर्ण कार्यशाला थी और सभी ने इसकी सराहना की।

4. The IQAC of IHE organized capacity building workshop on **'Waste Management'** for Teaching and Non-Teaching Staff by Waste Management and Recycling Society (WMARS) on **19th June, 2024**. Mrs Deepali Sinha, President WMARS and Ms. Rashmi Dhasmana, Program Manager at WMARS were the esteemed resource persons to conduct the workshop. (<https://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2024/06/Workshop-on-waste-management-and-recycling-Poster-1.pdf>) WMARS envisions to transform the recycling landscape by pooling resources to build an efficient waste management ecosystem by engaging with waste pickers, scrap dealers, waste management companies, recyclers and NGOs. WMARS is a leading name in the field of different types of Industrial Post-Consumer Waste Management and its proper recycling. The workshop aimed to abreast the participants about types of wastes, waste management, segregation, and recycling. Minimization of waste generation along with recycling was discussed at length. Different types of wastes like municipal solid, industrial, biomedical and e-waste were discussed. The participants learned about the seven Rs of waste management including Reduce, Refuse, Reuse, Recycle, Rot, Regift and Repurpose. Furthermore, extended producer responsibility for environmentally sound management of products were discussed. The participants learned about aerobins, vermicomposting and generation of manure also. Furthermore, different types of plastics were discussed and strategies to curtail plastic usage were also deliberated. Throughout the workshop, participants engaged actively, learned new concepts, and raised queries that were promptly addressed. It was a very informative workshop and was appreciated by one and all.



INSTITUTE OF HOME ECONOMICS
UNIVERSITY OF DELHI
 Internal Quality Assurance Cell
 is organizing
WORKSHOP ON WASTE MANAGEMENT
FOR TEACHING AND NON-TEACHING STAFF
 BY WASTE MANAGEMENT AND RECYCLING SOCIETY
 12:00 NOON - 2:00PM

RESOURCE PERSONS:
 Mrs. Deepali Sinha, President WMARS
 Ms. Rashmi Dhasmana, Program Manager at WMARS

19TH JUNE, 2024
CONFERENCE ROOM, IHE

Registration Link:
<https://forms.gle/nw5m7DM36iwsvo3x8>

PATRON Prof. Radhika Bakshi
CONVENOR Prof. Sunita Aggarwal
COORDINATOR Dr. Pratima Singh
ORGANISING COMMITTEE
 Dr. Suneeta Mishra, Dr. Vandana Sabharwal, Dr. Sonia Chaudhary, Dr. Meenakshi Vachher, Dr. Bhawana, Dr. Sandeep Yadav, Dr. Ritu Atheya, Dr. Reema Chaurasia, Dr. Jagriti Kher, Dr. Renu, Dr. Vandana

